जीवन वृत्त

डॉ. पद्मा सिंह, एम.ए. पी.एच.डी.

प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष भाषा अध्ययनशाला एवं संचालक आजीवन शिक्षण विभाग (दे.अ.वि.वि.) अध्यक्ष हिन्दी, संस्कृत पालि, प्राकृत एवं तुलनात्मक अध्ययन मंडल दे.अ.वि.वि. इन्दौर,विभागाध्यक्ष तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला फरवरी 2007 से

शैक्षणिक अनुभव: 35 वर्ष

मानद सदस्य-

हिन्दी भाषा परिषद् कोलकाता की आजीवन सदस्य।
राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा के हम भारतीय अभियान की आजीवन सदस्य।
पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया की आजीवन सदस्य।

सम्मान –

30 वां राष्ट्रीय बाल साहित्य पुरस्कार वर्ष 1998-99
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली।
देवी श्री अहिल्या बाल साहित्य सृजन सम्मान 2005।
रवीन्द्रनाथ टैगोर जन्म शताब्दी स्वर्ण पदक 26 अगस्त 1975।
आर.सी. जाल लोक पारमार्थिक न्यास स्वर्णपदक 26 अगस्त 1975।

प्रकाशित पुस्तकें-

मैं हारी नहीं हू (कहानी)
फूलों का खिलना है (कविता संग्रह) पूर्वोदय प्रकाशन 2005
सार्थक कविता की तलाश (कविता) पोइट्री सोसायटी ऑफ इंडिया
कविता संग्रह और एक कहानी की किताब प्रकाशित